AMOGHVARTA
ISSN : 2583-3189

फिनटेक सेक्टरः भविष्य में चुनौतियाँ व सम्भावनाएं

ORIGINAL ARTICLE

Authors
डॉ. दीपा देवांगन
सहायक प्राध्यापक
वाणिज्य विभाग
शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय
नगरी, धमतरी, छत्तीसगढ़, भारत

डॉ. कीर्ति श्रीवास
सहायक प्राध्यापक
वाणिज्य विभाग
शासकीय दुधाधारी बजरंग
महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
रायपुर, छत्तीसगढ, भारत

शोध सार

भारत में फिनटेक सेक्टर बढ़ी हुई डिजिटल क्षमताओं के साथ नई–नई फर्मे अपनी कुशलता का परिचय देते हुए बेहतर समाधान प्रस्तुत कर उपभोक्ता सुविधा को प्राथमिकता के स्तर में प्रथम स्थान देते हुए डेटा साइंस व क्षमताओं का बेहतरीन संयोजन कर रही हैं। कंपनियां उधारदारी, बीमा, सम्पत्ति, प्रबंधन और धन प्रबंधन जैसे क्षेत्रो में उभरती प्रौद्योगिकी और वित्त पोषण के समय में राजकोषीय लचीलापन बनाए रखने के लिए अपने पर्यवेक्षण क्षमता का विकास करते हुए बाजार क्षेत्र के साथ अनेक क्षेत्रों में अपनी तकनीकी क्षमता को उजागर कर महत्वपूर्ण दिशा की ओर अग्रसर हो रही है।

मुख्य शब्द

फिनटेक, डिजिटलीकरण, बैंकिंग, वित्त.

प्रस्तावाना

हाल ही में चीन को पीछे छोड़ते हुए भारत एशिया में फिनटेक (Fintech) के सबसे बड़े बाजार के रूप में उभरा है। विश्व के दूसरे बड़े फिनटेक हब (अमेरिका के बाद) के रूप में उभरने के बाद भारत में ''फिनटेक बुम'' अर्थात् फिनटेक का तीव्र और व्यापक विकास देखा गया है। वर्तमान समय में फिनटेक अर्थव्यवस्था के सबसे अधिक सम्पन्न क्षेत्रों (व्यापार वृद्वि और रोजगार सृजन दोनों मामलों में) में से एक है। फिनटेक वित्तीय प्रणाली में पारदर्शिता लाने के साथ–साथ वित्तीय समावेशन के लक्ष्यो को प्राप्त करने में सहायक सिद्व हो सकता है।

भारत में फिनटेक क्षेत्र के वित्तपोषण में पिछले कुछ वर्षो की बात करे तो व्यापक वृद्वि को दर्शाता है इस क्षेत्र को वर्ष 2021 में 9.8 बिलियन अमेरिकी डालर का वित्तपोषण प्राप्त हुआ। भारत के फिनटेक सेक्टर में फड़िग का बहुत बड़े हिस्से को उजागर करता हैं।

चर्चा में क्यों?

- बीते कुछ सालों में भारत फिनटेक सेक्टर के बड़े बाजार के रूप में उभरा है।
- वैश्विक स्तर पर फिनटेक सेक्टर के इस साल के अंत तक 54 मिलियन के पार पहुचने की उम्मीद है।
- सबसे ज्यादा काम फाइनेनशियल सर्विसेस उपल्बध कराने वाली फिनटेक है।

क्या हैं फिनटेक?

फिनटेक (Fintech) फाइनेनशियल टेक्नोलाजी (Financial Technology) का संक्षिप्त रूप हैं। सरल शब्दों में यदि कहे तो वित्तीय कार्यो में प्रौद्योगिकी के उपयोग को फिनटेक की श्रेणी में रखा गया हैं।

दुसरे शब्दों में यह पारंपरिक वित्तीय सेवाओं और विभिन्न कंपनियों तथा व्यापार में वित्तीय पहलुओं को प्रबंधन में आधुनिक तकनीक का क्रियान्वयन हैं।

उद्देश्य

- उद्योग में नवाचार एवं विकास को बढ़ावा देते हुए फिनटेक क्षेत्र के स्थिति का अध्ययन करना।
- फिनटेक सेक्टर का सामान्य जनता पर पड़ने वाले प्रभावो का अध्ययन करना।
- फिनटेक सेक्टर के दिन–प्रतिदिन बढ़ते महत्व का अध्ययन करना।
- उपभोक्ताओं को सुरक्षा, नवाचार के विकास में फिनटेक की स्थिति का अध्ययन।

शोध परिकल्पना

- फिनटेक कंपनियां निरंतर अपने सेवांए प्रदान कर व उनकी सेवाओं से समान्य जनता भी लाभांवित हो रहे है।
- फिनटेक कंपनियां वित्तीय समावेषन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।
- वित्तीय सेवाओं व तकनीकी विकास में फिनटेक क्षेत्र की कंपनियां न्चोन्मेश को बढ़ावा दे रही है।

शोध प्रविधी

इस शोध पत्र में तथ्यों के स्पष्टीकरण, विश्लेषण और निष्कर्षो के प्रतिपादन में द्वितीयक समंको का प्रयोग किया गया है। सर्वेक्षण कार्य से लेकर विभिन्न शोध प्रविधियों का उपयोग कर सार्थक व बहुपयोगी निष्कर्ष प्राप्त किया जायेगा।

साहित्य पुर्नरावलोकन

मुशकन्न एट अल (2020) ऑनलाइन बैकिंग, मोबाईल बैकिंग और पीयर टू पीयर भुगतान द्वारा प्रतिस्थापित किया जा रहा है जो किसी को भी उनके बीच धन स्थान्तरित करने की अनुमति देता है।

गोजमैन एंडअल (2018) डिजिटलीकरण आजकल कागज रहित कार्य है जिसे किसी भी बैंक या उद्योंग में अपनाया जाता है। वित्तीय सेवाओं के डिजिटलीकरण के परिणामस्वरूप स्थापित वित्तीय पारिस्थितिक तंत्र की स्थिरता कम हो गई है जो वित्तीय जानकारी को स्थापित पारंपारिक वित्तीय संस्थानों से दूर कर देती है।

हेडमेन और हेनिंग्सन (2012) फिनटेक के उद्भव जिसने वित्तीय वितरण पद्धति को बदल दिया वर्तमान प्रणाली में उथन–पुथल मचा दी।

क्लेमन्स और वेबर (1998) एक वित्तीय पारिस्थिकी तंत्र में परस्पर जुड़ी हुई प्रौद्योगिकी शामिल होती है जो उत्पाद प्रबंधकीय प्रदर्शन और प्रक्रिया प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए लगातार बढ़ रही है।

एडोमाविसियस एट अल (2008) इस वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर नई प्रौद्योगिकियां लगातार पुरानी प्रौद्योगिकीयों की जगह ले रहे है और असफल या विफल प्रौद्योगिकियां को बेकार बना दिया जाता है।

गोम्बर एट अल (2017) अब हम नई तकनीक पर कार्य कर रहे है और पुरानी और खराब हो चुकी तकनीक को खत्म कर रहे है।

भारत में फिनटेक कंपनियां के सामान्य प्रकार

1. **भुगतानः** ये डिजिटल भुगतान हेतु समाधान प्रदान करती है जैसे मोबाइल वालेट, ऑनलाइन भुगतान, गेटवे

और पीयर–टू–पीयर (P2P) भुगतान उदाहरण: Bharatpe

2. **ऋण:** ये व्यक्तिगत ऋण, व्यवसाय ऋण समाधान प्रदान करती है उदाहरण: CRED
3. **बीमा:** ये स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा और कार बीमा जैसे डिजिटल बीमा समाधान प्रदान करती है उदाहरण: Digit Insurance
4. **निवेश:** वे स्टॉक ट्रेडिंग, म्यूचुअल फंड और क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग जैसे डिजिटल निवेश समाधान प्रदान करती है उदाहरण: Z erodha

फिनटेक संबंधी निवेशो, World Wide स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन व प्रस्तुतीकरण

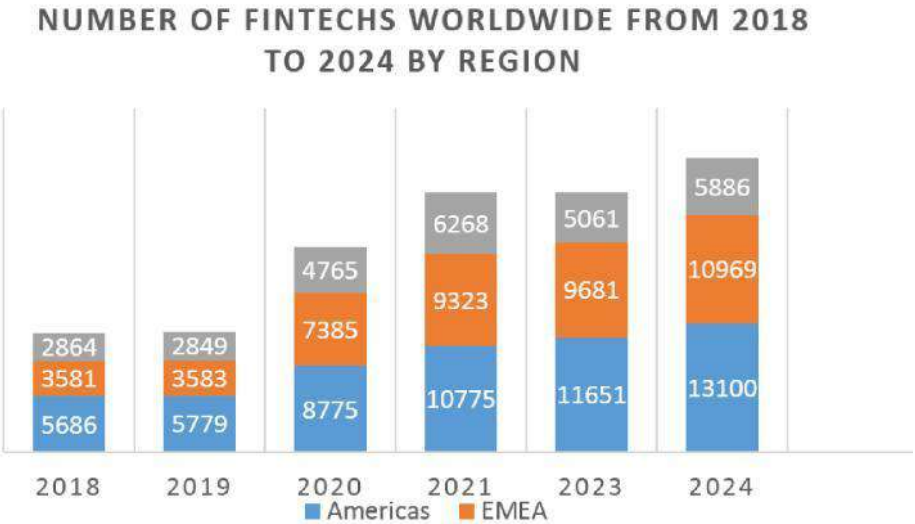

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि world wide fintech के numbers को बताया गया है। अलग–अलग वर्षो में विभिन्न देशो के द्वारा इस सेक्टर के उपयोग को बताया गया है जो America, Europe the middle East and Africa and Asia-pacific regian में fintech की स्थिती को उजागर करता है। एक भौगोलिक क्षेत्र जिसमें उपयोग फिनटेक क्षेत्र का जिक्र करते समय संस्थानो, सरकारो और विपणन, मीडिया और व्यापार के वैश्विक क्षेत्रों द्वारा किया जाता है।

India To ReachA Trillion-Dollar Fintech Market by 2025

The Country's fintech market is estimated to grow at a CAGR of 31% during 2021-2025

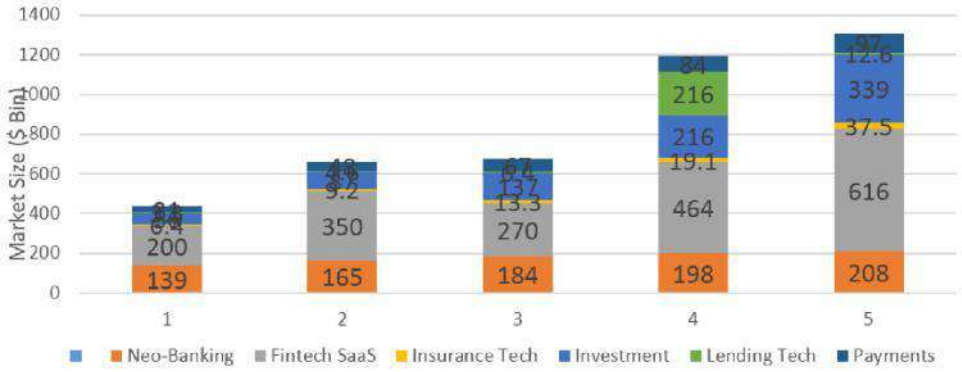

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि अलग–अलग सेक्टर में जैसे Meo Banking, fintech SaAs Insurance tech, lending tech, payments के लिए अलग–अलग क्षेत्रों में उन्नति की ओर Fintech सेक्टर अग्रसर हो रही है। सभी सेक्टरों में फिनटेक का उपयोग दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। देश में इंटरनेट सेवाओं के विस्तार के बाद फिनटेक उद्योग ने पिछले एक दशक में भारी वृद्वि दर्ज की है। वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में फिनटेक उद्योग का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। उद्योग के क्षेत्र में चाहे व सुक्ष्म हो लघु या मध्यम सभी प्रकार के उद्योगों के विकास में फिनटेक क्षेत्र अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

Top Deals in India Fintech in 2022

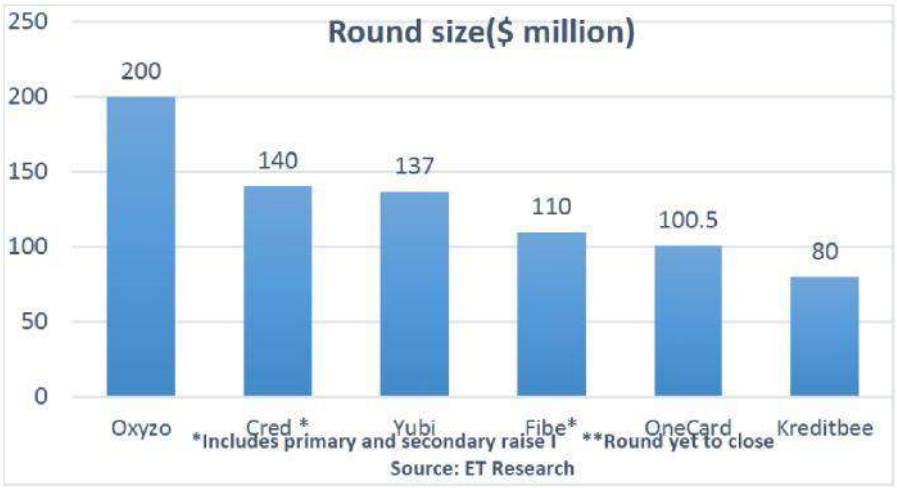

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि बड़ी–बड़ी कंपनिया फिनटेक सेक्टर में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है जिसमें मुख्यतः भारत की 6 कंपनियो के नाम दिए गए है E Research के रिपोर्ट के अनुसार सबसे अधिक oxyzo कंपनी, cred, yubi, fibe, one card kredit Bee के साथ और बहुत सी कंपनियां है जो फिनटेक सेक्टर को लगातार नई ऊचाइयों में पहुँचाने व देश की जनता को अधिकतम से अधिकतम सेवाएं प्रदान करने में भविष्य की चुनौतियों को स्वीकार कर निरंतर उन्नति की ओर अग्रसर हो रहा हैं।

भारत में फिनटेक सेक्टर में अवसर

- **फिनटेक सेक्टरः** 9000 से अधिक फिनटेक कंपनियों के साथ भारत में वैश्विक स्तर पर तीसरी सबसे अधिक संख्या मे फिनटेक कंपनियां वाला देश है जो भारतीय स्टार्ट – अप फंडिग का 14 हिस्सा रखता है।
- **अपनाने की दरः** आर्थिक सर्वेक्षण 2022–23 के अनुसार भारतीय फिनटेक कंपनियों में विभिन्न उपयोगकर्ता आधारों पर अपनाने की दर 87 देखी गई जबकि वैश्विक औसत दर 64 थी।

- **डिजिटल लेनदेनः** फिनटेक कंपनियों का डिजिटल भुगतान लेनदेन में 70 हिस्सा है जो वित्त वर्ष 2019 की तुलना में वित्त वर्ष 2023 के दौरान उनकी हिस्सेदारी में दोगुनी वृद्वि को दर्शाता है।
- **वित्तीय समावेशनः** 10 मिलियन से अधिक लोगों और छोटे व्यवसायों ने मोबाइल आधारित सेवाओं और डिजिटल प्लेटफॉर्मो के माध्यम से बचत खातों, बीमा, निवेष विकल्पों और क्रेडिट सुविधाओं तक पहुँच प्राप्त की।
- **ऋण प्रक्रिया का लोकतंत्रीकरणः** पीयर–टू–पीयर ऋण देने वाले प्लेटफॉर्म ऋण देने का लोकतंत्रीकरण कर रहे है। व्यक्तियों और छोटे व्यवसायों को पारंपरिक वित्तिय संस्थाओं की आवश्यकता के बिना धन तक पहुँच प्रदान कर रहे है।
- **सार्वजनिक निवेश में वद्विः** निवेश मंच और रोबो सलाहकार स्टॉक म्यूचुअल फंड और अन्य वित्तिय उपकरणों में निवेश को और अधिक सुलभ बना रहे है।

फिनटेक सेक्टर से जुड़ी चुनौतियाँ

- **साइबर हमलेः** वित्तीय सेवाओं के बढ़ते डिजिटलीकरण ने साइबर खतरों के जोखिम को बढ़ा दिया है। 2022 में कुल 13.91 लाख मामले सामने आएं।
- **अवैध डिजिटल ऋणः** फिनटेक ऋण ऐप्स तक आसान पहुँच के कारण अनियमित ऋण ऐप्स से जुड़े उत्पीड़न, अनैतिक वसूली प्रथाओं और आत्महत्या के कई मामलों में वृद्धि हुई है।
- **वित्तीय निरक्षरताः** ऑनलाइन लेनदेन से जुड़े जोखिमों को समझने के लिए आवश्यक डिजिटल एक्सपोजर और पर्याप्त डिजिटल ज्ञान महत्वपूर्ण चुनौती है।
- **बुनियादी ढॉचे के मुद्देः** ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क/कनेक्टिविटी समस्याओं के कारण ऑनलाइन लेनदेन मे रूकावट और धीमें प्रतिक्रिया समय की संभावना अधिक होती है जिससे सुरक्षा संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो जाती है।
- **डेटा गोपनीयता मुद्देः** आरबी आई ने अनिवार्य किया है कि सभी वित्तीय संस्थाएं प्रत्येक ग्राहक के लिए अपने ग्राहक को जाने (KYC) का सत्यापन करें।

फिनटेक सेक्टर में आगे की राह हेतु सुझाव

- **साइबर सुरक्षा बुनियादी ढांचे को मजबूत करनाः** फिनटेक कंपनियां क्षेत्र के लिए विशिष्ट साइबर खतरों से निपटने के लिए स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग कर सकती है।
- **ग्रामीण भारत में भुगतान बुनियादी ढांचे की साइबर सुरक्षा में सुधारः** फिनटेक अनुप्रयोग में बहु–कारक प्रमाणीकरण एन्टिक्रप्शन और बायोमेट्रिक पहचान सहित मजबूत सुरक्षा विशेषताएं होनी चाहिए।
- **बुनियादी ढांचे के मुद्दों को संबोधित करनाः** ग्रामीण क्षेत्रों में एक–एक कर होने वाली इंटरनेट कनेक्टिविटी को देखते हुए फिनटेक कंपनियों को एक साथ वित्तीय सेवाओं तक ऑफलाइन पहुँच को सक्षम बनाना चाहिए।
- **डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमः** फिनटेक फर्मो को ग्रामीण उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन लेनदेन से जुड़े जोखिमों और सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में शिक्षित करने के लिए डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम में निवेश को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
- कनेक्टेड लेंडिग पर एक एकीकृत नियात्मक ढांचे का निर्माण RBI ने सुझाव दिया कि इसे इसकी सभी विनियमित संस्थाओं के लिए कनेक्टेड लेडिंग को विनियमित करने के लिए बनाया जाना चाहिए जहां एक उधारकर्त्ता ऋणदाता के निर्णय को प्रभावित करने की स्थिति में हो।
- **फिनटेक के लिए अनुपालन कार्यक्रमः** फिनटेक को सभी लागू कानूनों और विनियमों का अनुपालन सुनिश्चत करने के लिए एक अनुपालन कार्यक्रम विकसित करने के ओर ध्यान देना चाहिए।

निष्कर्ष

निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि फिनटेक में संभावना है कि यह भारत में वित्तीय सेवाओं और वित्तीय समावेशन के परिदृश्य को मौलिक रूप से नई शक्ल प्रदान कर सकता है। इससे लागत मे कमी आ सकती है और वित्तीय सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार आ सकता है। हमें प्रणालीगत प्रभावों को कम करते हुए फिनटेक का प्रभावशाली तरीके से उपयोग करके संतुलन स्थापित करता है। प्रोद्योगिकी को समर्थशाली बनाकर और जोखिमों का प्रबंधन करके हम एक ऐसी वित्तीय प्रणाली तैयार कर सकते है जो अधिक समावेशी लागत प्रभावी और लचीली हो।

संदर्भ सूची

1. भारत की फिनटेक क्षमता का एहसास ''उद्यम और प्रौद्योगिकी का विकास होना चाहिए'' 07/12/2020 *द इकोनामिक टाइम्स,* पृ. 18–19।
2. *Business Standard* में प्रकाशित the future of finance December 28, 2023 , पृ. 20–23।
3. भारतीय बुलेटिन, अप्रैल 2019
4. RBI गर्वनर शशिकांत दास, नीति आयोग की फिनटेक संगोष्ठी (कनिक्लेव) 2019।
5. एडिटोरियल 21/02/2023 *''हिन्दू बिजनेस लाइन''* में प्रकाशित "trustAs the guarden for fintech", पृ. 101–103।
6. www.pwonlias.com, Accessed on 19/04/2020.
7. www.startup india.gov.in, Accessed on 23/06/2019.
8. https:\\www.drishti ias.com, Accessed on 19/04/2022.
9. भारतीय रिजर्व बैंक बुलेटिन अप्रैल 2019 ''फिनटेक के अवसर और चुनौतियॉ'', पृ. 156–157।

——==00==——